मासिक
ऑटो एडवाइजर
RNI.No.61707/94
भोपाल (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एकमात्र ऑटोमोबाइल्स समाचार पत्र
वर्ष-30 अंक-3 | भोपाल, 6 अगस्त 2024 | पृष्ठ-8 मूल्य-2.50 रुपये

15 अगस्त को लांच होगा

थार का नया अवतार ..थार रॉक्स

भोपाल(टीम) . महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने 4 अक्टूबर 2010 को एसयूवी वर्ग की थार को भारतीय बाजार में पहली बार उतारा था.

अपने आकार, डिजाइन और इंजन क्षमताओं के कारण थार बाजार में अपनी विशेष पहचान बना सकने में सफल रही. 10 वर्ष उपरांत आकार, सुरक्षा, सुविधा जैसे मानकों को लेकर थार 3 डोर में परिवर्तन किए जाने की अपेक्षा प्रबल होती जा रही थी. कंपनी ने दो वर्षों के शोध और सर्वे के आधार पर थार को नया लुक दिया और इसको महिंद्रा थार रॉक्स का नाम दिया . इसमें पांच डोर दिए जाने के कारण इसे थार 5 डोर भी कहा जा रहा है. महिंद्रा थार रॉक्स में, थार 3 डोर की तरह ही मैन्युअल गियर बॉक्स के साथ आरडब्लूडी 1.5 लीटर डीजल इंजन रहेगा. इसके अन्य मॉडलों में 2.0 लीटर टर्बो पैट्रोल इंजन तथा 2.2 लीटर डीजल इंजन ..4ङ्क4 फॉर्म में होगा, जो मैन्युअल और स्वचालित गियर बॉक्स के साथ होगा . स्कॉर्पियो एन चेसी पर आधारित परिष्कृत महिंद्रा 4 एक्सप्लोर ऑफ रोड सस्पेंशन सेटअप इसमें मिलेगा. रॉक्स का व्हीलबेस अपेक्षाकृत थार 3 डोर के ज्यादा लंबा है , जिसके कारण इसमें अधिक आरामदायक बूट स्पेस मिलता है. इसकी फ्रंट ग्रिल को 7 वर्टिकल स्लॉट के स्थान पर 6 स्लॉट का डबल स्टेक डिजाइन देकर आकर्षक लुक दिया गया है. इसमें सी शेप की एलईडी, डीआरएल के साथ हेडलाइट और

पैनारोमिक सनरूफ

इंफोटेनमेंट स्क्रीन

टेल लाइट दी गई हैं. रॉक्स में 18 इंच के एलॉय व्हील दिए गए हैं और चारों व्हील में डिस्क ब्रेक सुविधा दी गई है. थार रॉक्स के अंदरुनी डिजाइन को कई अतिरिक्त सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है. 7 सीटर एसयूवी थार रॉक्स में लेदर सीट अपहोल्स्ट्री के साथ फ्रंट व रियर सेंटर आर्म रेस्ट दिए गए हैं . 10.25 इंच टच स्क्रीन, 360 डिग्री कैमरा, रेयर एसी वेंट, पैनारामिक सनरूफ, 6 एयरबैग के साथ इसमें 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी दिया जा रहा है. इसमें ए डी ए एस फीचर्स को भी संभवत समाहित किया गया है. इसमें कोई संशय नहीं है की थार रॉक्स को ग्राहकों के बीच, अपेक्षाकृत अन्य एसयूवी कारों से अधिक प्यार और विश्वास मिलेगा और यह बिक्री के नए आयाम स्थापित करेगी.

टाटा पंच की यूनिट बिक्री नए शिखर पर...

3 वर्षों के अल्प समय में 4 लाख यूनिट पार..

पुणे (महाराष्ट्र)। रंजनगांव के प्लांट में कम कीमत में बेहतरीन कार के सूत्र के साथ टाटा पंच का निर्माण और बिक्री का कार्य अक्टूबर 2021 से आरंभ हुआ था. टाटा पंच ने मात्र 10 महीने में ही एक लाख यूनिट से अधिक की बिक्री का लक्ष्य पार कर लिया था और आगामी वर्षों में 2024 के आने से पूर्व ही इसकी बिक्री 3 लाख यूनिट के आंकड़े से ऊपर हो गई और यह आंकड़ा 2024 जुलाई में 4 लाख यूनिट के शिखर के पार पहुंच गया है. इस लक्ष्य को पार करके टाटा पंच ने इस वर्ष की सबसे अधिक यूनिट विक्रय करने वाली कार का दर्जा प्राप्त कर लिया है. टाटा मोटर्स के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में कारों की कुल बिक्री में पंच के पेट्रोल वेरिएंट की बिक्री हिस्सेदारी 53ब रही है वहीं तुलनात्मक रूप से पंच ईवी की बिक्री 14 प्रतिशत और सीएनजी की बिक्री 33 प्रतिशत तक रही है. इन आंकड़ों के आधार पर संभावित है कि टाटा पंच अगले वित्त वर्ष में, सबसे अधिक बिक्री वाली कारों में शीर्ष स्थान पर हो सकती है. इस कार के प्रमुख प्रतिद्वंदियों में, हुंडई , सिट्रोएन और कीया शामिल है. यहां उल्लेखनीय है की ग्लोबल एन सी ए पी (न्यू कार असीसमेंट प्रोग्राम) द्वारा मोटर वाहन सुरक्षा मानकों के लिए टाटा पंच को फाइव स्टार रेटिंग दी गई है. इस रेटिंग का, पंच के यूनिट बिक्री वृद्धि में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है.

नए फीचर्स अपडेट ...

सिट्रोएन सी 3 और सी 3 एयरक्रॉस

भोपाल (कार्या.) . फ्रांस की कार निर्माता कंपनी सिट्रोएन द्वारा अपनी चौथी जनरेशन की कारों क्रमशः सी 3 और सी 3 एयरक्रॉस को 2023 में लॉन्च किया गया था. उस समय इन सुपर मिनी कारों (बी सेगमेंट) में कुछ फीचर्स या तो थे ही नहीं या वह आउटडेटेड थे. यह कंपनी के संज्ञान में था.

अपनी बात और ग्राहकों के हितों का ध्यान रखते हुए निर्माता कंपनी ने अपनी पांचवी जनरेशन की एसयूवी बेसाल्ट को लॉन्च करने से पूर्व ही इन चौथी पीढ़ी की कारों के फीचर्स को भी अपडेट किया है.

फ्रेंच कंपनी सिट्रोएन ने अपने सी 3 मॉडल में एलइडी प्रोजेक्टर लैंप, ऑटो फोल्डिंग ओ आर वी एम (आउटसाइड रियर व्यू मिरर), ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल और 7 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर आदि फीचर्स को अपडेट कर दिया है .

इसी प्रकार से, सी 3 एयरक्रॉस मॉडल में भी कंपनी द्वारा ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एलइडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, फ्रंट आर्म रेस्ट, 6 एयर बैग, रियर एसी वेंट्स जैसे फीचर्स को अपडेट कर दिया है . इन अपडेट्स को लेकर सिट्रोएन कंपनी द्वारा , कारों की कीमत में आंशिक वृद्धि का निर्णय लिया जाना शेष है. आपको बता दें की 9 अगस्त 2024 को सिट्रोएन अपनी पांचवीं पीढ़ी की कार , %बेसाल्ट % को लॉन्च करने जा रही है. सुरक्षा, सुविधा, प्रदर्शन, आकार, बिक्री जैसे बिंदुओं पर केंद्रित शोध करते हुए, सिट्रोएन अपने उत्पादों को, नए आयाम तक ले जाने की योजना पर तेजी से कार्य कर रही है.

झरोखे से....

वैभव का प्रतीक रही : फिएट कार

हर किसी का एक शिखर समय होता है ....और इतिहास , सब कुछ अपने आप में समेट लेने के लिए सदैव आतुर बना ही रहता है ....लेकिन परिवर्तन भी, सदैव इतिहास को चुनौती देता रहता है....

इटालियन ऑटोमोबाइल कंपनी ... फेबब्रिका इटालियना ऑटोमोबिली डी टोरिनो जिसे संक्षिप्त नाम फिएट से जाना जाता है .इसने 1899 में अपनी पहली कार का निर्माण किया और आजाद भारत में सन् 1951 में अपनी पहली कार फिएट 500 का परिचय कराया गया . 1954 में इसका संशोधित रूप, फिएट 1100 -103 लाया गया, जिसने डकर नाम से अपनी पहचान बनाई . सन् 1964 से आगे के वर्षों में, हिंदुस्तान मोटर्स की एंबेसेडर और 1944 में स्थापित प्रीमियर ऑटो लिमिटेड की फिएट पद्मिनी ने धूम मचा डाली थी . सरकारी विभागों में एंबेसेडर ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और वहीं विशिष्ठजनों के बीच वैभवशाली निजी कार के रूप में , फिएट की लोकप्रियता अपने चरम पर थी . तत्कालीन प्रधान मंत्री स्व.श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने भी, अपने व्यक्तिगत प्रयोग के लिए सन् 1964 में फिएट कार को , ऋण लेकर खरीदा . उस समय इस कार की कीमत लगभग रुपए 12000/- होती थी . हालांकि आकस्मिक निधन हो जाने के कारण वे उस कार का

स्मारक में प्रदर्शित स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी की फिएट कार...

आनंद अधिक समय तक नहीं उठा पाए . उनकी मृत्यु के उपरांत ,उनकी पत्नी स्व. श्रीमती ललिता शास्त्री जी ने ऋण चुकता किया . यह कार लाल बहादुर शास्त्री मैमोरियल , दिल्ली में आज भी इतिहास प्रमाण के रूप में रखी हुई है . कबुरेटर, 4 सिलिंडर और 40 भारतीय हॉर्स पॉवर के इंजन से युक्त यह कार 120 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती थी .पहले पेट्रोल इंजन और बाद में इसे डीज़ल इंजन के साथ लाया गया था .इस कार में स्टीयरिंग पर ही गियर लीवर होता था . बाद में फ्लोर गियर लीवर के साथ इसका निर्माण किया जाने लगा . सन् 1984-85 से, मारुति और अन्य कंपनियों की कारों के आते ही, विलासिता की परिचायक कारें, धीरे धीरे सड़कों से कम होती चली गई और सन् 1997 में इन कारों को बनाना बंद कर दिया गया .अब तो कभी कभार ही यह कारें दिखलाई देती हैं . लेकिन इनके प्रेमियों की कमी आज भी नहीं है. यह कारें, एक समय वैभव का प्रतीक और भारतीय सड़कों की शान हुआ करती थीं. अब.... इतिहास के पन्नों तक सिमट तो रहीं हैं . लेकिन

2007 में फिएट ऑटोमोबाइल्स के पुनर्गठन के साथ नए आधुनिक रंग रूप तकनीक व सुविधाओं के साथ कारों का निर्माण भी लगातार हो रहा है .

शशांक हिन्ना
फाउंडर, द ऑटो एडवाइजर डॉट इन
(फोटो साभार : लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल, दिल्ली)

स्पेस टेक्नोलॉजी में म.प्र. ने पहली बार निवेश के लिए बढ़ाया कदम

भोपाल (नप्र)। राज्य की विकास योजनाओं में नवीन तकनीक की सहायता लेने और उपयोग बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश पहली बार स्पेस टेक कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित कर रहा है।

स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में मध्यप्रदेश में पहली बार निवेश प्राप्त करने के लिए कदम बढ़ाया है। स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर में काम कर रही कंपनियां उपग्रह चित्रण और डाटा एनालिटिक्स की सेवाएं उपलब्ध कराती है। उपग्रह के माध्यम से वैश्विक निगरानी और डाटा की शुद्धता में सुधार होता है। यह कंपनियां अंतरिक्ष में प्रदूषण और कक्षीय वस्तुओं पर निगरानी के लिए नवीनतम तकनीकी विकसित कर रही है। इन कंपनियों का उद्देश्य अंतरिक्ष में सुरक्षा को बढ़ाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेंगलुरु में आयोजित निवेशको के साथ 7 एवं 8 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय इन्वेस्टर रोड-शो में उद्योगपतियों से संवाद करेंगे। वे इस क्षेत्र में काम कर रही प्रमुख कंपनियों को मध्यप्रदेश में निवेश का आमंत्रण देंगे। इनमें मुख्य रूप से पिक्सल, दिगंतरा, गैलेक्स आई, सेटस्योर कलाइड ईओ, स्काई सर्वर जैसी कंपनियों से मध्यप्रदेश में निवेश की संभावना पर चर्चा करेंगे। सेटस्योर कंपनी सैटेलाइट इमेजरी उपलब्ध कराती है जो कृषि क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी है। इसी प्रकार पिक्सल कंपनी पृथ्वी के चित्रों पर आधारित छोटे सैटेलाइट का निर्माण और संचालन करती है।

सफल रही बेंगलुरू में इन्वेस्ट मध्यप्रदेश की पहल : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दो दिवसीय बेंगलुरु यात्रा के दौरान मैंने बेंगलुरु के विभिन्न सेक्टर के उद्योगपतियों से संपर्क कर मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही उनके अनुभव, परामर्श एवं कौशल का लाभ मध्यप्रदेश को भी प्राप्त हो, यह यात्रा निवेश के साथ साथ दोनों प्रदेश के आपसी भाईचारे एवं मिलकर राष्ट्रीय विकास के लिये समग्र प्रयास किए जाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने आज बेंगलुरू में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए अपने दो दिवसीय बेंगलुरू यात्रा के दौरान मिली उपलब्धियों को साझा किया। मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर इन्टरेक्टिव सेशन का आयोजन कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में किया गया। बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से भी जाना जाता है। बेंगलुरु, आई. टी., गारमेंट, एयरोस्पेस एवं डिफेन्स, एवं फार्मा जैसे विभिन्न मैन्युफैक्चरिंग उद्योग सेक्टर हेतु जाना जाता है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा बेंगलुरु में इंटरेक्टिव सेशन आयोजित कर आई.टी., टेक्सटाइल एवं गारमेंट, फार्मा जैसे उद्योग सेक्टर के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया। हिंदुस्तान ऐरोनाटिक्स लिमिटेड का भ्रमण किया गया।

गिरने वाले हैं कारों के दाम, डीलरों के सामने बढ़ा संकट, बिक्री घटी

नई दिल्ली, एजेंसी। कारों बिक्री में गिरावट के बीच ऑटोमोबाइल कंपनियों और डीलरों के सामने नया संकट खड़ा हो गया है। डीलरों के पास कारों का स्टॉक बढ़ रहा है और कंपनियां लगातार उत्पादन क्षमता बढ़ाती जा रही हैं। आम आदमी के नजरिए से देखा जाए तो उससे काफी कारों पर प्रतीक्षा अवधि कम हो गई है और भविष्य में कारों की कीमतों में गिरावट की भी संभावना है, लेकिन यह बड़े संकट का संकेत भी है, जिससे निपटने के लिए कई कंपनियां अपने कुछ मॉडल की तय कीमतों में कटौती पर भी विचार कर रही हैं।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) का कहना है कि कारों की बिक्री में तीन से चार फीसद की वृद्धि होने का

अनुमान था, लेकिन कंपनियों ने उत्पादन क्षमता को 10 फीसदी तक बढ़ा दिया है। फाडा के सीईओ सहर्ष दमानी कहते हैं कि पहले हमारे पास मांग के अनुमान के आधार पर 30-32 दिन का स्टॉक होता था, लेकिन अब कारों का 67 से 72 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। बीते पांच महीने से स्टॉक बढ़ता जा रहा है लेकिन उसके अनुपात में बिक्री नहीं बढ़ रही है।

सेल घटने की ये है बड़ी वजह

फाडा का कहना है कि कोरोना से पहले कारों की औसत कीमत अगर छह लाख रुपये थी तो वो आज बढ़कर 10 लाख रुपये पहुंच गई है। जिस अनुपात में कारों की कीमतों को बढ़ाया गया है, उस अनुपात में कोरोना के बाद लोगों की आय नहीं बढ़ी है। मौजूदा समय में 15 हजार डीलर और उनके 30 हजार आउटलेट से जुड़े गोदामों में करीब सात से सवा सात लाख कारें स्टॉक में हैं। अगर इन कारों की औसत कीमत 10 लाख रुपये मान ली जाए तो भी 70 से 75 हजार करोड़ रुपये की कारें स्टॉक में खड़ी है। ऊपर से ऑटोमोबाइल कंपनियों की तरफ से हर रोज डीलरों को नई कारें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पुरानी की बिक्री में तेजी आई

चार पहिया वाहनों को री-सेल करने वाली कंपनी से जुड़े एक पदाधिकारी कहते हैं कि पुरानी की बिक्री में तेजी आई है। खासकर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई से लेकर अन्य प्रमुख शहरों में सबसे ज्यादा लोग पुरानी कारों को खरीद रहे हैं। मारुति, हुंडई से लेकर तमाम कंपनियां कारों की खरीद पर छूट व अन्य तरह के ऑफर दे रही हैं। कारों पर 60 हजार से लेकर ढाई लाख तक की छूट दी जा रही है जो मॉडल और कार के हिसाब से अलग-अलग है। डीलर भी अपना कमीशन कम करके गाड़ियों को निकालने की कोशिश में हैं लेकिन उसके बाद भी पर्याप्त संख्या में ग्राहक नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजय हिन्ना द्वारा रेनबो प्रिंटर्स, 57, 2/21 कॉमधेनु टॉवर, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016 (म.प्र.) से मुद्रित एवं डी-13, सेवॉय साउथ सिटी कॉम्पलेक्स, जी-03 गुलमोहर कॉलोनी, भोपाल 462039 (म.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक : संजय हिन्ना। मो. 9826285867, 8319293454 (सलाहकार : योगेश जोशी, प्रबंधन : शशांक हिन्ना)**(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा)

आपके सवाल ....

❍ **इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदना चाहिए क्या ?**
जवाब : प्रतिदिन 30 से 60 किलोमीटर के सीमित क्षेत्र में , चलने के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर अच्छा विकल्प हो सकता है .

❍ **25 लाख के बजट में कौन-कौन सी कारें उपलब्ध हैं ? कृपया मुझे जानकारी दीजिए .**
जवाब : आपके लिए 25 लाख के बजट में उपलब्ध कारों की जानकारी इस प्रकार है...
हैचबैक वर्ग की कार में
हुंडई कोना (इलेक्ट्रिक कार) उपलब्ध है.
एसयूवी वर्ग में महिंद्रा की स्कॉर्पियो डीजल , महिंद्रा एक्सयूवी 700 डीजल, एम जी की हेक्टर डीजल, टाटा की हैरियर डीजल , टाटा सफारी डीजल और हुंडई की अल्काजर डीजल उपलब्ध है.
इसके अलावा एमपीवी वर्ग की कारों में कीया की कारेंस डीजल, टोयोटा इनोवा क्रिस्टा डीजल , मारुति सुजुकी इनविक्टो हाइब्रिड देख सकते हैं .

❍ **मैं 2 लाख तक की कोई इलेक्ट्रिक बाइक खरीदना चाहता हूं कृपया बताएं ?**
जवाब : इस बजट में, रीवोल्ट आर बी 400 प्रीमियम इलेक्ट्रिक बाइक के बारे में जानकारी लीजिए . आपको बता दें कि इसी माह 15 अगस्त 24 को ओला की इलेक्ट्रिक बाइक भी लांच होने जा रही है .

❍ **आने वाली महिंद्रा थार रॉक्स में नया क्या है ?**
जवाब : थार की चाहत रखने वाले प्रेमी लंबे समय से थार में कुछ परिवर्तनों के लिए इंतजार कर रहे थे. उनके इंतजार का समय पूरा हो चुका है और महिंद्रा थार कुछ परिवर्तनों के साथ , थार रॉक्स के रूप में अवतरित होने जा रही है. इसके आकार, व्हीलबेस ,डोर, ग्रिल, हेड लैंप, टेल लैंप आदि में परिवर्तन किया गया है. लगभग 1 फीट आकार में वृद्धि के साथ इसमें पांच डोर दिए गए हैं. लॉन्ग व्हीलबेस के साथ चारों व्हील में डिस्क ब्रेक हैं. वर्टिकल सेवन ग्रिल को , डबल स्टेक छोटी सिक्स स्लॉट ग्रिल का आकर्षक लुक दिया है. ग्रिल में ही 360 डिग्री कैमरा दिया गया है. 6 एयरबैग, पैनारोमिक सनरूफ, सी शेप में एलईडी डीआरएल के साथ एलईडी हेडलाइट और टेल लाइट, 10.25 इंच टच स्क्रीन डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर इसमें मिलते हैं. चेसी और सस्पेंशन सेटअप स्कॉर्पियो एन जैसे हैं. थार रॉक्स को 15 अगस्त 2024 को लॉन्च किए जाने की प्रबल संभावना है.

अगस्त में वाहन क्रय/खरीदने के लिए शुभ दिवस

02 अगस्त 2024, शुक्रवार
नक्षत्र : पुनर्वसु
तिथि : त्रयोदशी श्रावण कृष्ण 2081
09 अगस्त 2024, शुक्रवार, नक्षत्र : हस्त
तिथि : पंचमी श्रावण शुक्ल 2081
12 अगस्त 2024, सोमवार
नक्षत्र : स्वाति
तिथि : सप्तमी श्रावण शुक्ल 2081
14 अगस्त 2024, बुधवार
नक्षत्र : अनुराधा
तिथि :नवमीं श्रावण शुक्ल 2081
19 अगस्त 2024, सोमवार
नक्षत्र : श्रवण , धनिष्ठा
तिथि : पूर्णिमा श्रावण शुक्ल 2081
रक्षा बंधन
23 अगस्त 2024, शुक्रवार
नक्षत्र : रेवती
तिथि : चतुर्थी भाद्र कृष्ण 2081
26 अगस्त 2024, सोमवार
नक्षत्र : कृतिका
तिथि : सप्तमी भाद्र कृष्ण 2081
28 अगस्त 2024, बुधवार
नक्षत्र : मर्गिशिरा
तिथि : दशमी भाद्र कृष्ण 2081
29 अगस्त 2024, बृहस्पतिवार
नक्षत्र : आर्द्रा
तिथि : एकादशी भाद्र कृष्ण 2081
विशेष : खरमास और राहुकाल में कोई भी शुभ-मांगलिक कार्य, भूमि-वाहन का क्रय विक्रय नहीं करना चाहिए।

लांच (अवतरित)माह जुलाई 2024

कार

(क्रम इस प्रकार से है क्रमश- लांच डेट, कंपनी, मॉडल और कीमत)

05 जुलाई 24

मारुति सुजुकी ब्रेजा अर्बनो एडिशन — कीमत रुपए 08.49 लाख

10 जुलाई 24

हुंडई एक्सटर नाइट एडिशन — कीमत रुपए 08.38 लाख

16 जुलाई 24

हुंडई एक्सटर सीएनजी ड्यूल सिलेंडर — कीमत रुपए 08.50 लाख

19 जुलाई 24

पोर्शा पेनामेरा जीटीएस — कीमत रुपए 02 करोड़ 34 लाख

24 जुलाई 24

मिनी कंट्रीमैन इलेक्ट्रिक — कीमत रुपए 54.90 लाख

08 जुलाई 24

मर्सिडीज़ बेंज ई क्यू ए — कीमत रुपए 66.00 लाख

15 जुलाई 24

ऑडी क्यू 5 बोल्ड एडिशन — कीमत रुपए 72.30 लाख

17 जुलाई 24

पोर्शा मकॉन ईवी रियर व्हील ड्राइव — कीमत रुपए 01 करोड़ 23 लाख

24 जुलाई 24

मिनी कूपर एस — कीमत रुपए 44.90 लाख

24 जुलाई 24

बी एम डब्ल्यू 5 सीरीज एलडब्ल्यूबी — कीमत रुपए 72.90 लाख

पृष्ठ 2 का शेषांस

लांच (अवतरित)माह जुलाई 2024 में

(क्रम इस प्रकार से है क्रमशः लांच डेट, कंपनी, मॉडल और कीमत)

25 जुलाई 24

मारुति इगनिस रेडियंस एडिशन — कीमत रुपए 05.49 लाख

29 जुलाई 24

मजराती ग्रीशाले — कीमत रुपए 01 करोड़ 31 लाख

मोटर साइकिल

5 जुलाई 24

बजाज फ्रीडम 125 — कीमत रुपए 95 हजार

5 जुलाई 24

बी एम डब्ल्यू मोटरॉड आर 12 और आर 12 नाइन टी — कीमत रुपए 19.90 लाख

10 जुलाई 24

टीवीएस अपाचे आरटीआर 160 रेस एडिशन — कीमत रुपए 01.29 लाख

8 जुलाई 24

डुकाती हाईपर मोटार्ड 698 मोनो — कीमत रुपए 16.50 लाख

17 जुलाई 24

रॉयल एनफील्ड गोरिल्ला 450 — कीमत रुपए 02.24 लाख

ऑटोमोबाइल्स से संबंधित लेटेस्ट खबरों अन्य जानकारियों के लिए बिजिट करें:
TheAutoAdviser.in
THE AUTOADVISOR

स्कूटर

18 जुलाई 24

निम्न 3 नए रंगों में लांच... ग्लॉसी स्पार्कल ब्लैक/पर्ल मीरा रेड/ चैंपियन येलो — कीमत रुपए 92 हजार

18 जुलाई 24

सुजुकी एक्सेस 125 निम्न 2 नए रंगों में लांच... मैटेलिक मोनोमा रेड/ पर्ल मिराज व्हाइट — कीमत रुपए 90 हजार 500

18 जुलाई 24

सुजुकी बर्गमैन स्ट्रीट निम्न 1 नया रंग लांच.... मैटेलिक मेट ब्लैक — कीमत रुपए.... ज्ञात नहीं

24 जुलाई 24

बीएमडब्ल्यू मोटरॉड सी ई 04 — कीमत रुपए 14.90 लाख

डिसकन्टीन्यू कार....

5 जुलाई 24

महिंद्रा मराजो

31 जुलाई 24

बीएमडब्ल्यू 6 सीरीज जी टी

मन-मस्तिष्क की महक

अच्छी मानसिकता से ही अच्छा जीवन जीया जाता है। मानसिक बीमारियों से बचने का उपाय है कि हृदय को घृणा से और मन को भय व चिंता से मुक्त रखा जाए। अस्वस्थ मन से उत्पन्न कार्य अस्वस्थ होते हैं। मानसिक उन्नति के बाद शरीर अधिक ताकतवर और स्वस्थ बन जाता है। पढ़ें राजेंद्र प्रसाद के विचार। इंसान की आर्थिक स्थिति कितनी भी अच्छी हो, लेकिन सही आनंद लेने के लिए उसकी मानसिक स्थिति अच्छी होनी चाहिए।

बहुधा जब जीवन की डगर अजीब, अज्ञात और अबूझ होती है तो व्यक्तिगत नियम-कायदे से नहीं चलती। आम मान्यता है कि खाली दिमाग शैतान का घर है। यह तभी होता है, जब हम खालीपन को भरना न जानते हों। खिन्नता से बहुत सारी नकारात्मकता से भरे मन के कारण हम उन्नति की दौड़ में खुद विघ्न बन जाते हैं। आध्यात्मिक मार्ग खुद को कूड़े-कबाड़ से मुक्त होने पर जोर देता है, ताकि ईश्वरीय ऊर्जा से खालीपन भर सकें। प्राकृतिक नियम संचालन जीवन पर अपना असर रखता है। अमूमन हम जिस वस्तु या उपलब्धि को चाहते हैं और वह न मिले तो फिर हम बलात उसे हासिल करने में जुट जाते हैं। ऐसे में अमूल्य समय के साथ-साथ ऊर्जा की बर्बादी होती है। मन में बहुत सारी नकारात्मकता उफान पर होती है। हमारी सोच जितनी स्वच्छ होगी, जीवन उतना ही श्रेष्ठ होगा। प्रकृति के पहलू पर किसी का शिकंजा नहीं चला और उसकी चाहत है कि हमारे जीवन और मन में कुछ रिक्तता रहे, ताकि उचित समय पर उसमें कोई उपयुक्त सामग्री भरी जा सके।

इंसान का दुखी मन पानी से भरे गिलास की तरह होता है

सोच का प्रभाव मन पर, मन का प्रभाव तन पर, तन और मन दोनों का प्रभाव सारे जीवन पर असर छोड़ता है। दुनिया पर जीत हासिल करने से पहले अपने मन पर जीत हासिल करना जरूरी है। जो लोग मन में उतरते हैं, उन्हें संभाले रखने और जो मन से उतरते हैं, उनसे संभल कर रहने की जरूरत है। दुखी मन पानी से भरे गिलास की तरह होता है, जो मामूली ठेस लगने पर छलक पड़ता है। मन को कर्तव्य की डोरी से बांधना पड़ता है, नहीं तो उसकी चंचलता न जाने कहां लिए-लिए फिरे। यह सनातन रहस्य है कि जैसा मन होता है, वैसा ही मनुष्य बन जाता है। मन भर कर जीयो, मन में भरकर मत जीयो ! मन सभी के पास है, मगर मनोबल कुछ के पास ही होता है।

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से खड़ा नहीं होता

देह रथ है, इंद्रियां उसमें घोड़े, बुद्धि सारथी और मन लगाम है। मन ऐसा रखना चाहिए कि किसी को बुरा न लगे। मन को संभालने वाला इंसान हमेशा जिंदगी की ऊंचाइयों में सबसे ऊपर होता है। समाज से बहुत दिनों तक दूर और अकेले रहना आदमी के मन को दुर्बल बनाता है। मन की संतुष्टि के लिए अच्छे काम करते रहना चाहिए। मन की सोच सुंदर हो तो संसार सुंदर लगता है। छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। मन का झुकना बहुत जरूरी है। मात्र सिर झुकाने से परमात्मा नहीं मिलते। इंसान की आर्थिक स्थिति कितनी भी अच्छी हो, लेकिन सही आनंद लेने के लिए उसकी मानसिक स्थिति अच्छी होनी चाहिए। एक व्यक्ति दूसरे के मन की बात जान सकता है। कभी भी खाली नहीं बैठना चाहिए, कोई-न-कोई रचनात्मक काम अवश्य करते रहना चाहिए। उससे मन बुरे विचारों में नहीं उलझेगा। कहने को बहुत अपने होते हैं, लेकिन जब मन उदास हो तो कोई पूछने वाला नहीं होता। मैदान में हारा हुआ आदमी फिर से जीत सकता है, लेकिन मन से हारा आदमी कभी नहीं जीत सकता। ऐसा देखा गया है कि अस्वस्थ होने पर हम चिकित्सक के पास जाते हैं और अगर मन स्वस्थ न हो तो उसके इलाज या उपचार के लिए कहीं नहीं जाते। न ही ऐसे उपाय करते हैं जिनसे से मन स्वस्थ होने की ओर बढ़े। यही जीवन की दुखद त्रासदी है। मन दुखी है तो उससे पूछना चाहिए कि कितना और कब तक दुखी होना हैं ! मन तृप्त हो तो बूंद भी बरसात है। अतृप्त मन के आगे तो समंदर की भी क्या हैसियत है? मन और मकान को समय-समय पर साफ करना जरूरी है, क्योंकि मकान में बेमतलब सामान और मन में बेमतलब गलतफहमियां भर जाती हैं। मन की प्रसन्नता से बहुत से मानसिक और शारीरिक रोग दूर रहते हैं। विचार में विषाद नहीं होना चाहिए, क्योंकि विषाद बहुत बड़ा दोष है। खुश रहने का एक सीधा-सा मंत्र है- कौन क्या कर रहा है, कैसे कर रहा है, क्यों कर रहा है, इससे जितना दूर रहा जाए, मन की शांति उतनी ही नजदीक होगी। परिस्थिति बदलना मुश्किल न हो तो मन की स्थिति बदल देना चाहिए। सब कुछ अपने आप बदल जाएगा। अच्छी मानसिकता से ही अच्छा जीवन जीया जाता है। मानसिक बीमारियों से बचने का उपाय है कि हृदय को घृणा से और मन को भय व चिंता से मुक्त रखा जाए। अस्वस्थ मन से उत्पन्न कार्य अस्वस्थ होते हैं। मानसिक उन्नति के बाद शरीर अधिक ताकतवर और स्वस्थ बन जाता है। निर्मल मन वाला व्यक्ति आध्यात्मिक अर्थ को सही से समझ सकता है। इंसान जितना अपने मन को मनाएगा, उतना खुश रह पाएगा। जो दूसरों से ईर्ष्या करता है, उसे मन की शांति नहीं मिलती। एक बुद्धिमान व्यक्ति अपने मन को स्वार्थ से खाली रखता है. ताकि उसमें ज्ञान, समझ और सच्चाई का वास हो सके। मन-मस्तिष्क इच्छापूर्ति वृक्ष है। इससे हम जो भी चाहत पालेंगे, वह उसकी आपूर्ति में लीन हो जाएगा। इससे सदा सकारात्मक मांगना चाहिए और सदैव अच्छे विचार से उसको भरना चाहिए। विचार स्वतंत्र रूप से कोई ऊर्जा नहीं रखते, पर जब हम सक्रियता से अपना ध्यान उन पर लगाते हैं, तब वे वास्तविकता में सामने आने लगते हैं। अगर मन नियंत्रित करने का प्रयास नहीं करते हैं तो हमारे अवांछित विचार, हमारी सोच को नकारा भी बना सकते हैं। मन रूपी उपवन में जमी न्यूनाधिक खरपतवार समय-समय पर हटाते रहना चाहिए और उसमें स्वस्थ विचारों के बीज बोने चाहिए, जिससे जीवन संसार हरा-भरा रहे। मस्तिष्क की शक्तियां फूलों की पंखुड़ियों के समान हैं। जब ये शक्तियां केंद्रित होती हैं तो महक उठती हैं।

खुशियों का गोल्ड मेडल चाहिए तो देखें ओलिंपिक्स

14 साल की उस जिमनास्ट ने मॉन्ट्रियल में आयोजित 1976 समर ओलिंपिक्स में जो कमाल किया था, उसका जवाब तब की मशीन के पास भी नहीं था। किसी ने नहीं सोचा था कि कोई जिमनास्टिक्स में परफेक्ट 10 भी स्कोर कर सकता है। रोमानिया की नादिया कोमानेची ने वह भ्रम तोड़ दिया। हालांकि स्कोरबोर्ड इस तरह प्रोग्राम्ड नहीं था कि वह इस स्कोर को दिखा सके। आखिरकार स्कोर डिस्प्ले करना पड़ा 1.00। नादिया ने इंसानी क्षमता के एक नए स्तर को दुनिया के सामने जाहिर किया था। कुछ ऐसा ही कारनामा था उसैन बोल्ट का। किसी के पैर 43.99 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार भी पकड़ सकते हैं, यह दिखाया बोल्ट ने। हमारे महानगरों की सड़कों तक पर ट्रैफिक कभी-कभार ही इस स्पीड से दौड़ पाता है। हर चार बरस पर होने वाला ओलिंपिक्स केवल खेलों का महायोजन भर नहीं, यह इंसानी हिम्मत, ताकत और क्षमताओं का कड़ा इम्तिहान भी हैं। और इस इम्तिहान में ऐथलीट्स को एक-एक कर चुनौतियों को ढेर करते और सफल होते देखने से अधिक आनंददायक कुछ भी नहीं। मुकाबला हर खेल प्रतियोगिता में देखने को मिलता है और मैदान कोई भी हो, वहां तक पहुंचने के लिए मेहनत और जीतने के लिए जज्बा चाहिए ही। लेकिन, बात ओलिंपिक्स पर आते ही हर चीज पहुंच जाती है नेक्स्ट लेवल पर। करोड़ों बरसों के इवॉल्यूशन से गुजरते हुए इंसान यहां तक पहुंचा है। उसके हर एक पल को निचोड़ कर रख देता है ओलिंपिक्स का मंच। दुनियाभर से आए ऐथलीट्स के बीच रहते हुए उनसे टक्कर लेना और खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करना आसान नहीं। महान मुक्केबाज मोहम्मद अली का कहना था कि अगर आपमें जोखिम लेने का साहस नहीं है तो कुछ हासिल नहीं कर पाएंगे। ओलिंपिक्स वह जगह है, जहां इस तरह के जोखिम बार-बार लिए जाते हैं। बार-बार वह सीमा आगे खिसकती जाती है, जहां तक इंसान पहुंच सकता है। इन कीर्तिमानों को बनते-बिखरते देखने में जो आनंद है, वह कहीं और नहीं आ सकता। कोई भी दूसरा खेल इतना वैश्विक नहीं जितना ओलिंपिक्स। न ही कोई इतना समावेशी है और न ही चुनौतीपूर्ण होते हुए भी इतना उदार। हर खेल अपने खिलाड़ियों से केवल जीत मांगता है, लेकिन ओलिंपिक्स कहता है कि शामिल होना ही बहुत बड़ी बात है। तभी तो अमेरिकी फिगर स्केटर मिशेल क्वान ने 1998 में रजत पदक जीतने के बाद कहा कि मैंने गोल्ड नहीं गंवाया है बल्कि सिल्वर मेडल जीता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की गोल्ड मेडलिस्ट तैराक ब्रोंटे बैरेट ने इस भावना को कुछ ऐसे जाहिर किया कि, 'ओलिंपिक्स खेलों का मतलब केवल जीत नहीं है, इसका मतलब है जीतने के लिए प्रयास करना। इसका आदर्श वाक्य है तेज, ऊंचा और मजबूत, न कि सबसे तेज, सबसे ऊंचा और सबसे मजबूत। कभी-कभी प्रयास करना ही मायने रखता है।' कोशिश की आदत को ओलिंपिक्स छूटने नहीं देता, कोई चाहे तो भी नहीं और इन खेलों को देखते हुए इसे आप भी महसूस कर सकते हैं। ओलिंपिक्स असंभव को संभव कर दिखाने वाली जगह है, जहां कोई किम युन-मी बन जाता है, कोई माइकल फेल्प्स, तो कोई इयान मिलर। ये खेल मौका देते हैं इतिहास में नाम दर्ज कराने का और उस लक्ष्य के लिए ऐथलीट्स जी-जान लगा देते हैं। उनके लिए खुद को परखने का सबसे बड़ा मौका होता है ओलिंपिक्स। यही मौका बतौर दर्शक हमारे भी पास है कि हम श्रेष्ठ बनने की उस चाहत से जुड़ सकें।

आभासी दुनिया का संजाल...

गौरव बिस्सा

हाल ही में एक ऐतिहासिक तीर्थ स्थल और संग्रहालय पर पर्यटकों की संख्या नगण्य देखी गई, जबकि खानपान की दुकानों, नौका विहार, समुद्र तट आदि पर भारी भीड़ थी। भीड़ में प्रत्येक व्यक्ति वीडियो या रील बनाने, धीमी गति की फिल्म बनाने और फोटो खिंचवाने में व्यस्त था। ऐतिहासिक स्थलों के इतिहास और भूगोल के विषय में अभिभावक अपने बच्चों के प्रश्नों का जवाब नहीं दे पा रहे थे। वे बच्चों को फोटो खिंचवाने के लिए मुद्राएं बनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे. बच्चों के प्रश्नों की बौछार से उनके अभिभावक बच्चों को झिड़क रहे थे, क्योंकि उन्हें खुद कुछ ज्ञान नहीं था। सवाल है कि क्या जीवन का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ भौतिक आनंद लेना भर रह गया है? क्या सिर्फ तस्वीरें खिंचवाना, सोशल मीडिया पर मशहूर होना, लोगों में यह दिखाना कि व्यक्ति बहुत आनंदित है आदि ही जीवन के लक्ष्य रह गए हैं? यह स्थिति बहुत गंभीर है कि एक वयस्क नागरिक को इतिहास के बारे में सामान्य जानकारी भी नहीं है। व्यक्ति अपने राष्ट्र गौरव, अपनी थातियों, संस्कृति और अपने देश से इस स्तर तक कट चुका है कि वह बच्चों के मन में उठते प्रश्नों का उत्तर देने में असमर्थ है। जब एक माता-पिता को यह जानकारी नहीं कि उसके देश के महत्त्वपूर्ण

गौरवशाली व्यक्तित्व कौन हैं, तो वे अपनी पीढ़ी में राष्ट्र गौरव के संस्कारों को कैसे बीजारोपित कर पाएंगे? अभिभावक सिर्फ भोजन, आनंद, मनोरंजन, तस्वीरों और सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों या टिप्पणियों पर आने वाली पसंदगी और साझा किए जाने में ही अपनी जिंदगी की खुशी तलाशते प्रतीत हो रहे हैं। क्या वर्तमान अभिभावक अपने बारह से पंद्रह वर्षीय संतानों के साथ देश के ताजा घटनाक्रमों पर, वित्त और रक्षा नीति पर, सामान्य विज्ञान के सिद्धांतों, सांस्कृतिक गौरव आदि विषयों पर चर्चा करने में समर्थ हैं? शायद नहीं। यह अत्यंत कष्टदायक है। हम घूमने क्यों जाते हैं? व्यंग्यात्मक भाषा में इसका उत्तर है- हम 'रील' बनाने, तस्वीरें खिंचवाकर सोशल मीडिया पर डालने के लिए घूमने जाते हैं ! इसी को शायद जीवन की खुशी मान लिया गया है। खुशी को सिर्फ 'रील', सुंदर कपड़ों और भोजन करने से जोड़ दिया गया है। यह एक दुखद सत्य है। व्यक्ति अपने आनंद की जगह दूसरों को यह दिखाने में व्यस्त है कि वह बहुत सुखी है। आनंद की जगह दिखावे ने ले ली है। क्या 'रील' बना रहे हैं, क्यों बना रहे हैं, उसका उद्देश्य क्या है, समाज को उसका क्या संदेश मिलेगा, इन सब पर समाज मौन है। यों किसी को अपनी सुविधा से खुद को अभिव्यक्त करने का अधिकार है, मगर यह भी सच है कि रील और तस्वीरों ने कई दंपतियों का जीवन खराब किया है। इन चित्रों और टिप्पणियों के कारण परस्पर समन्वय में कमी आ रही है, तुलना बढ़ रही है और दांपत्य जीवन कष्टप्रद हो रहा है। आनंद भीतर है। ऊपरी दिखावे, रील, फोटो, स्टेटस और कपड़ों से वास्तविक खुशी मिलनी असंभव है।

दरअसल, इस तरह के शौक के पीछे छिपी है लोगों द्वारा स्वीकार किए जाने की इच्छा। इस कार्य के पीछे दिखावा है, खुद को औरों से अधिक सुखी दिखाने का भाव है। दूसरे हमारी बात का समर्थन करें और हमें स्वीकार करें, क्या यह आवश्यक है? सोशल मीडिया पर फोटो डालकर या कुछ लिखकर व्यक्ति दूसरों से सराहना और स्वीकारोक्ति चाहता है। क्या मनुष्य खुद की नजर में इतना अशक्त और निर्बल है कि जब तक दूसरे लोग उसे खुश न मानें, तब तक वह खुश नहीं होगा? यह सोचने की जरूरत है कि हम पढ़ने के शौकीन हैं और हमने यह बात सोशल मीडिया पर लिखी। अब जो पढ़ने का शौकीन होगा, वह हमारे काम की तारीफ करेगा और जो शौक नहीं रखता होगा, वह आलोचना करेगा। इसमें मानसिक तनाव क्यों लेना? इंटरनेट एक खुला मंच है। कोई रोक-टोक नहीं हैं। जो जैसा चाहे, वैसा लिख सकता है। ऐसी अवस्था में दूसरों की टिप्पणियों को दिल से लगाया जाना अनुचित है।

सच यह है कि 'रील' और तस्वीरों के जरिए लोकप्रियता हासिल होने की प्यास जगाना बाजार का एक मायाजाल है, जिसे कंपनियों ने गढ़ा है। करीब बीस वर्ष पूर्व किराए पर परिधान लाकर दूल्हा-दुल्हन विवाह संपन्न कर लेते थे। वे समझते थे कि एक बार पहने जाने वाले महंगे परिधानों पर बेवजह खर्च करना ठीक नहीं है। अब ऐसे बचत प्रधान समाज में कंपनी अपना उत्पाद कैसे बेचे? इसलिए प्रत्येक समारोह और त्योहार का व्यवसायीकरण शुरू हो गया। समारोह में एक जैसे परिधान पहनना, फोटो खींचना आदि इसी रणनीति का हिस्सा हैं। भारत में विवाह के दौरान पहने जाने वाले महिलाओं के परिधानों का बाजार और 'रीलों' के निर्माण और तस्वीरें खिंचवाने की तथाकथित प्रतियोगिता के कारण मोबाइल का बाजार बेतहाशा वृद्धि कर रहा है।

कुछ दिनों पहले एक खबर आई कि मां ने किशोरी को मोबाइल छोड़कर पढ़ने को कहा और उसे मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल करने पर टोका। इस बात से नाराज होकर किशोरी ने आमघाती कदम उठा लिया। ऐसे और भी समाचार आए दिन आते रहते हैं। आखिर क्यों व्यक्ति इतना अकेला, तन्हा और एकाकी हो गया है कि उसने मोबाइल के आभासी संसार को ही सच मान लिया है? यह समझना होगा कि आभासी इंटरनेट की दुनिया वास्तविक नहीं होती। इंटरनेट की दुनिया मायाजाल है और उसमें जो दिखता है, वो पूरी तरह सच नहीं है। न तो इसकी तारीफें सच्ची हैं और न ही आलोचना। इसलिए आभासी दुनिया को त्यागकर वास्तविक दुनिया में जीना ही जीवन है।

साभार

पर्सनल स्पेस में प्रोफेशनल लाइफ हो रही है हावी तो इन टिप्स को करें फॉलो

वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग मॉडल के चलते प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ खराब होने लगी है। कंपनी को ऐसा लगता है कि वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के कारण वह अपने इंप्लाई को कभी भी फोन कर सकते हैं और उन्हें कभी भी काम करने को कह सकते हैं। ऐसे में मजबूरी में अपनी नौकरी को बचाने के लिए इंप्लाई को ओवरटाइम काम करना पड़ता है। यहीं कारण है जिसके कारण पर्सनल लाइफ के लिए आजकल के युवा को समय नहीं मिलता है और उनकी लाइफ में दिक्कत आने लगती हैं। हालांकि कुछ टिप्स को अपनाकर आप भी अपने पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन को अलग रख सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

अगर आप वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के तौर पर काम कर रहे हैं तो आपको समय पर लॉग इन करना चाहिए और समय पर ही लॉग आउट करना चाहिए। अगर आपका बॉस आपको रोजाना ओवरटाइम काम करने को कह रहा है तो आपको उसकी शिकायत करनी चाहिए।

ब्रेक लें

वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग में आपको काम के साथ बीच- बीच में ब्रेक लेते रहना चाहिए। आधे घंटे का ब्रेक लेकर आप खुद के काम को कर सकते हैं। इससे आपको खुद के लिए भी समय मिलता रहेगा।

परिवार के लिए समय

कई बार ऑफिस का काम होने के बाद लोग अपने फोन यानी सोशल मीडिया में व्यस्त हो जाते हैं। हालांकि आपको स्क्रीन टाइम कम करने पर ध्यान देना चाहिए। बचा हुआ समय आपको परिवार को देना चाहिए या फिर आप नई चीजों को सीखने के लिए भी समय निकाल सकते हैं।

काउंसलिंग लें

अगर आप इन चीजों को फॉलो करने के बाद भी अपनी प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस से अलग नहीं रख पा रहे हैं तो आपको काउंसलिंग लेने की जरूरत है। काउंसलिंग की मदद से आप अपने प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस में हावी नहीं होने देगें।

फैमिली बजट प्लान करते समय इन बातों का रखें ध्यान

फैमिली के लिए बजट प्लान करना यकीनन एक टफ टास्क है, लेकिन अगर आप कुछ टिप्स को फॉलो करते हैं तो आप अपने इस काम को बहुत आसान बना सकती हैं।

अधिकतर घरों में लोगों को यह शिकायत रहती है कि महीना खत्म होते-होते खर्च के लिए उनके पास पैसे नहीं होते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे अपने फैमिली बजट का ध्यान नहीं रखते हैं। जब परिवार में सदस्यों की संख्या अधिक हों या फिर बच्चे हों तो ऐसे में फैमिली बजट पर अतिरिक्त ध्यान देना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। कुछ लोग महीने की शुरुआत में फैमिली बजट तो बनाते हैं लेकिन फिर भी महीने के आखिर में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि वे कुछ छोटी-छोटी बातों को मिस कर जाते हैं। फैमिली बजट बनाने का मतलब सिर्फ जरूरी खर्चों की लिस्टिंग करना ही नहीं है, बल्कि आपको अतिरिक्त खर्चों से लेकर बचत, इमरजेंसी फंड व इनवेस्टमेंट आदि को भी इसमें शामिल करना जरूरी होता है। आपको फैमिली बजट बनाने में कोई समस्या ना हो और बाद में आपको किसी तरह की परेशानी ना हो, इसके लिए आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

इनकम की बनाएं लिस्ट

जब आप फैमिली बजट बना रहे हैं तो आपको अपनी महीने की आमदनी का पता होना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले अपनी इनकम की लिस्ट बनाएं। इसमें आप सैलरी के अलावा अन्य किसी भी आय के स्त्रोत से मिलने वाले पैसों का शामिल करें। इससे आपको यह समझ में आएगा कि हर महीने आपकी पॉकेट में कितने पैसे आ रहे हैं।

खर्चों की बनाएं लिस्ट

जब आप अपनी इनकम की लिस्ट बना लें तो उसके बाद खर्चों की लिस्ट तैयार करें। इसमें आप घर के किराए से लेकर बच्चों की फीस, राशन, ईएमआई व अन्य अतिरिक्त खर्चों को शामिल करें। इनकम और खर्च की लिस्ट बनाने से आपको एक रिएलिटी चेक मिलता है। साथ ही इससे फैमिली बजट बनाना अधिक आसान हो जाता है।

सेट करें फाइनेंशियल गोल्स

फैमिली बजट बनाने का मतलब सिर्फ आमदनी और खर्चों पर ही नजर रखना नहीं है। बल्कि आपको अपने फाइनेंशियल गोल्स को भी सेट करना चाहिए। आप इसमें शॉर्ट टर्म गोल्स जैसे वेकेशन से लेकर इमरजेंसी फंड और लॉन्ग टर्म गोल्स जैसे घर की डाउन पेमेंट से लेकर बच्चों की पढ़ाई व रिटायरमेंट आदि को भी जरूर शामिल करें।

तैयार करें प्लान

फैमिली बजट बनाते समय आपको एक सही प्लानिंग के साथ चलना बेहद जरूरी है। मसलन, जब आप बजट बनाएं तो अपने खर्चों को अलग-अलग कैटेगिरीजैसे ग्रॉसरी से लेकर सेविंग आदि में बांट लें। इस तरह आप हर कैटेगिरी व गोल्स को ध्यान में रखते हुए अपनी आय को बांट दें। कोशिश करें कि आप अपनी आय का 50 प्रतिशत ज़रूरतों, 30 प्रतिशत इच्छाओं और 20 प्रतिशत बचत आदि के लिए रखें। इससे आपको कभी भी पैसों को लेकर किसी तरह की कोई समस्या नहीं होगी।

जरूर करें ट्रैक

अगर आप चाहती हैं कि आप अपने लिए एक सही फैमिली बजट बना पाएं, तो इसके लिए आपको उसे ट्रैक जरूर करें। एक बार जब आप बजट बना लें तो उसके बाद आमदनी व खर्चों दोनों को ट्रैक करते रहें। जब आप इनका रिकॉर्ड रखते हैं तो इससे आपको अपने फैमिली बजटको सही तरह से एडजस्ट करने में मदद मिलती है। अगर आपके लिए हर दिन का ब्यौरा रखना मुश्किल लगता है तो ऐसे में आप बजटिंग टूल व ऐप्स का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

कामयाबी: न्यूरालिंक की ब्रेन चिप का दूसरा ट्रांसप्लांट पूरा, एलन मस्क बोले- अब आठ मरीजों का करेंगे प्रत्यारोपण

नईदिल्ली एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक की ब्रेन चिप का दूसरा ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरा हो गया। इसे लेकर कंपनी के मालिक एलन मस्क ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि दूसरा ट्रांसप्लांट बेहद अच्छे तरीके से काम कर रहा है। अब हम 2024 में आठ और मरीजों का प्रत्यारोपण करेंगे।

न्यूरालिंक मस्क का ब्रेन टेक्नोलॉजी स्टार्टअप है। न्यूरालिंक का मकसद उन मरीजों को भी काबिल बनाना है जो पूरी तरह से कुछ भी करने में अक्षम हैं। न्यूरालिंक के चिप की मदद से इंसान सिर्फ सोचकर कई सारे काम कर सकता है और उसकी सोच को कंप्यूटर पर देखा जा सकता है। कंपनी अपने मरीजों पर न्यूरालिंक का ट्रांसप्लांट

कर रही है। ट्रांसप्लांट के बाद पहला मरीज नोलैंड अर्बांग वीडियो गेम खेल रहा है। इंटरनेट चलाने, सोशल मीडिया पोस्ट और लैपटॉपर कर्सर घुमा रहा है।

एलन मस्क ने कहा कि शुरुआत में अर्बांग को सर्जरी के बाद समस्याओं का सामना करना पड़ा था। उनके इंप्लांट के तार पीछे हट गए थे। इससे दिमाग के संकेतों को मापने वाले इलेक्ट्रोड में कमी आई थी। इसे न्यूरालिंक ने सही किया और अब यह ठीक से काम कर रहा है। इस बीच न्यूरालिंक ने दूसरे मरीज में ब्रेन चिप का ट्रांसप्लांट किया। एलन मस्क ने बताया कि दूसरे मरीज की रीढ़ की हड्डी में पहले मरीज जैसी चोट थी। दूसरे मरीज के दिमाग पर इंप्लांट के 400 इलेक्ट्रोड काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरा इंप्लांट अच्छे से काम कर रहा है। कई सारे सिग्नल और इलेक्ट्रोड के साथ यह बेहतर कर रहा है।

कैसे काम कर रही तकनीक

जब इस पूरे प्रोजेक्ट पर काम हो रहा था तब एलन मस्क ने बताया था कि न्यूरालिंक दो उपकरण तैयार कर रही है। पहली सिक्के के आकार की एक चिप है, जिसे इंसान के सिर में लगाया जाएगा। इससे बालों से भी पतले तार निकलेंगे जिनमें लगे 1024 इलेक्ट्रोड दिमाग के अलग-अलग हिस्सों तक जाएंगे। इनसे मिला डेटा चिप के जरिए कंप्यूटर्स तक जाएगा। फिर शोधकर्ता इसका अध्ययन करेंगे। इस चिप के अलावा, एक रोबॉट होगा जो एक सुई की मदद से न्यूरालिंक चिप से निकलने वाले तार इंसान के दिमाग में सिलेगा। मस्क का कहना है कि यह प्रक्रिया ळ्स्ढ्ष्ट सर्जरी जितना आसान होगा।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी छोड़ेंगे कुर्सी

70 साल की उम्र में रिटायर होने का बनाया प्लान

परिवार के सदस्यों को सौंपेंगे अपना साम्राज्य

नईदिल्ली एजेंसी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने हाल ही में अपने 213 अरब डॉलर के कारोबारी साम्राज्य के लिए उत्तराधिकार की रणनीति साझा की है। एक साक्षात्कार में अदाणी ने बताया कि वे 70 साल की उम्र में सेवानिवृत्त होने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह फैसला अगली पीढ़ी को नेतृत्व की बागडोर सावधानीपूर्वक सौंपने के लिए मंच तैयार करेगा।

भारतीय अरबपति गौतम अदाणी ने ब्लूमबर्ग से बातचीत के दौरान दीर्घकालिक व्यापार स्थिरता के लिए उत्तराधिकार योजना के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनकी उत्तराधिकार योजना एक दशक पहले ही अमल में आ गई थी। उन्होंने साक्षात्कार में खुलासा किया कि अदाणी समूह का

भविष्य उनके बेटों, करण और जीत अदाणी और उनके चचेरे भाई, प्रणव और सागर अदाणी के हाथों में होगा। परिवार की ट्रस्ट में एक समान हिस्सेदारी रखी जाएगी। अदाणी ने कहा, उत्तराधिकार की मेरी योजना लगभग एक दशक पहले शुरू हुई थी और मैंने धीरे-धीरे हमारी अगली पीढ़ी प्रणव, करण, सागर और अब जीत को शामिल किया।

अदाणी के बेटे और उनके चचेरे भाई पहले से ही कंपनी के भीतर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक करण अदाणी लॉजिस्टिक्स और पोर्ट ऑपरेशंस की देखरेख करते हैं। जीत अदाणी जो गौतम अदाणी के छोटे बेटे हैं, समूह के डिजिटल उपक्रमों और भारत के सबसे बड़े निजी हवाई अड्डा नेटवर्क का प्रबंधन करते हैं। प्रणव अदाणी समूह के कृषि और तेल क्षेत्रों से जुड़े कारोबार का नेतृत्व करते हैं, जबकि सागर अडानी ऊर्जा व्यवसाय और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अदाणी ने अपने उत्तराधिकारियों के बारे में कहा कि विकास के लिए उनके उत्साह और एक साथ काम करने की उनकी तत्परता के कारण मेरा उनपर विश्वास पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि उन सभी में आगे बढ़ने की भूख है, जो दूसरी पीढ़ी में आम नहीं है। उन्होंने अदाणी विरासत की निरंतरता और सफलता सुनिश्चित करने के लिए उनके सहयोगी प्रयास के महत्व पर जोर दिया। अदाणी ने समूह के अहमदाबाद मुख्यालय में ब्लूमबर्ग से कहा, व्यावसायिक स्थिरता के लिए उत्तराधिकार बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैंने दूसरी पीढ़ी के लिए विकल्प छोड़ दिया है क्योंकि बागडोर स्थानांतरण जैविक, क्रमिक और बहुत व्यवस्थित होनी चाहिए।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में जुलाई में मामूली गिरावट, पीएमआई के आंकड़े जारी

नईदिल्ली एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी रही। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही। सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं।'' सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है। निर्यात ठेकों की प्रमुख मांग ऑस्ट्रिया, ब्राजील, चीन, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड और अमेरिका से रही। सर्वेक्षण में कहा गया, अनुकूल आर्थिक स्थिति और उत्पादन के प्रति आशावादी उम्मीदों ने सेवा कंपनियों में भर्ती को बढ़ावा दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई में 60.7 रहा, जो जून में 60.9 था।

नहीं थम रही सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

नईदिल्ली एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 0.95त्न बढ़त के साथ 70.455 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.02% चढ़कर 83.336 प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी।

शनिवार को हाजिर बाजार में चंडीगढ़ में 24 कैरेट के गोल्ड का रेट 72000 और 22 कैरेट गोल्ड का 66200, लुधियाना में 24 कैरेट के गोल्ड का रेट 72500 और 22 कैरेट गोल्ड का 67700 वहीं जालंधर में 24 कैरेट के गोल्ड का रेट 72250 और 22 कैरेट गोल्ड का रेट 66700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अगर चांदी की बात करें तो चंडीगढ़, लुधियाना, जालंधर में 85000, 86000, 86500 रुपए प्रति किलो था।

घरेलू मांग बढ़ने और मजबूत वैश्विक रुख के कारण स्थानीय सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ 350 रुपए चढ़कर 72,850 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि इसके उलट चांदी 200 रुपए की गिरावट के साथ 86,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। इसका पिछला बंद भाव 86,200 रुपए प्रति किलोग्राम था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 350 रुपए बढ़कर 72,500 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 72,150 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के भाव में तेजी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कामेक्स पर सोना 2,490.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,469.80 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 9.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,479.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.67 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 28.39 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.16 डॉलर की तेजी के साथ 28.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन सरकारी अवकाश के अलावा शनिवार और रविवार को रेट जारी नहीं करता है। आप सोने का रिटेल प्राइस अपने मोबाइल पर भी जान सकते हैं। इसके लिए आपको 8955664433 पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। स्स्र् के द्वारा सोने के भाव की जानकारी आपको भेज दी जाती है।

माइकल काफी दौलतमंद और दुनिया के शीर्ष अमीरों में है इनका भी नाम

नईदिल्ली एजेंसी। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार...। आपने यह लाइन अक्सर खबरों में पढ़ी होगी। कई खबरों में इसके हवाले से बताया जाता है कि दुनिया का सबसे अमीर शख्स कौन है। भारत से मुकेश अंबानी और गौतम अडानी जैसे कारोबारियों के पास कितनी दौलत है। एक दिन में किसकी दौलत कितनी बढ़ी और कितनी कम हुई, यह सब बातें आपने ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के हवाले से पढ़ी होंगी। क्या आपके कभी सोचा है कि यह ब्लूमबर्ग क्या है और इसका मालिक कौन है दुनिया के अमीरों की दौलत बताने वाला इसका मालिक खुद कितना दौलतमंद है

ब्लूमबर्ग अमेरिका की कंपनी है। यह फाइनेंस, डेटा और मीडिया से जुड़ी है। यह दुनियाभर के बड़े-बड़े कारोबारियों की दौलत का आंकलन करती है और अपनी वेबसाइट पर रोजाना इसके आंकड़े जारी करती है। इन आंकड़ों के आधार पर खबरें बनती हैं कि किस शख्स के पास कितनी दौलत है और वह दौलतमंद लोगों की सूची में किसी स्थान पर है। इस कंपनी की स्थापना अक्टूबर 1981 में अमेरिका के न्यू यॉर्क में हुई थी।

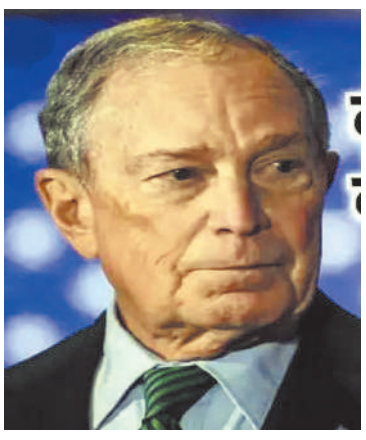

ब्लूमबर्ग वेबसाइट के अनुसार इसके फाउंडर माइकल आर ब्लूमबर्ग हैं। इन्हें माइक ब्लूमबर्ग भी कहा जाता है। 82 साल के माइकल अभी भी कंपनी के

फाउंडर मेंबर बने हुए हैं। माइकल के अलावा और भी लोग फाउंडिंग टीम में हैं। हालांकि कंपनी के मुख्य कर्ताधर्ता माइकल ही हैं। वह साल 1981 से 2001 तक और फिर 2014 से 2023 तक कंपनी के सीईओ रहे हैं। माइकल राजनीति का भी स्वाद चख चुके हैं। साल 2002 से 2013 के बीच तीन बार न्यू यॉर्क सिटी के मेयर रहे हैं। साल 2020 में माइकल ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से दावेदारी भी पेश की थी। इस साल इन्हें अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडन की ओर से राष्ट्रपति पदक स्वतंत्रता से सम्मानित किया जा चुका है।

कितनी है संपत्ति

अपने बिलेनियर इंडेक्स पर दुनिया के लोगों की संपत्ति बताने वाले माइकल खुद कितनी संपत्ति के मालिक हैं, इसकी जानकारी उनके इंडेक्स (ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स) पर ही नहीं है। हालांकि फोर्ब्स की दुनिया के अमीर लोगों की सूची में माइकल का नाम शामिल है। फोर्ब्स की सूची के अनुसार माइकल 104.7 बिलियन डॉलर (करीब 8.78 लाख करोड़ रुपये) के मालिक हैं। वह फोर्ब्स की दुनिया के अमीरों की सूची में 13वें स्थान पर हैं।

दानवीर भी हैं माइकल

माइकल अपनी काफी संपत्ति दान भी कर चुके हैं। पिछले साल इन्होंने 3 बिलियन डॉलर की रकम दान की थी। यही नहीं, माइकल गन सेफ्टी, क्लाइमेट चेंज, एजुकेशन और दूसरे कामों के लिए अभी तक 17 बिलियन डॉलर से ज्यादा रकम दान कर चुके हैं।

चीनी कंपनियों के निवेश से बदलेगी भारत की सूरत!

अभी कई चीनी कंपनियों को भारत ने निवेश करने से रोक दिया गया है **चीन के साथ व्यापार घाटा कम करने के लिए चीनी निवेश जरूरी**

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वामीनाथन एस अंकलेसरिया अय्यर इस वर्ष के आर्थिक सर्वेक्षण में चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से एक बड़े लेकिन लंबे समय से लंबित नीति परिवर्तन का सुझाव दिया गया है। इस सर्वेक्षण की देखरेख मुख्य आर्थिक सलाहकार कर रहे हैं। कई अर्थशास्त्री, जिनमें मैं भी शामिल हूं, खुश होंगे। लेकिन इस प्रस्ताव को सुरक्षा प्रतिष्ठान के कड़े प्रतिरोध को पार करना होगा। आर्थिक और सुरक्षा आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाना हमेशा मुश्किल होता है।

अमेरिका भारत से भी ज्यादा चीन से नाराज है और उसने बीजिंग की सैन्य मदद करने वाले हाई तकनीक उपकरणों के निर्यात को रोक दिया है। लेकिन ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने 'हाई फेंस, स्मॉल यार्ड' की नीति तैयार की है। यानी, अमेरिका उन क्षेत्रों की पहचान करेगा जहां चीन के साथ संबंध सुरक्षा को नुकसान पहुंचाएंगे और इसे व्यापक रूप से

परिभाषित करने के बजाय संकीर्ण रूप से परिभाषित करेगा। यह 'स्मॉल यार्ड' होगा। इसके चारों ओर उच्च टैरिफ और पूर्ण प्रतिबंध होंगे यानी 'हाई फेंस'। बाकी सब खुला रहेगा।

सुरक्षा प्रतिष्ठानों से किया है चीनी एफडीआई का विरोध

तार्किक रूप से, भारत को भी इसी तरह की नीति का पालन करना चाहिए। अफसोस, व्यवहार में, भारत के 'स्मॉल यार्ड' का मतलब 'हर एक यार्ड' लगता है। कोई निर्दिष्ट लक्ष्मण रेखा नहीं है। भारत के सुरक्षा प्रतिष्ठान ने लंबे समय से चीनी एफडीआई का विरोध किया है। उनका कहना है कि इससे चीन को गलत संकेत मिलेंगे, जिसने लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया, जिसके कारण 2020 में सैन्य झड़प हुई जिसमें 20 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए। इसके बाद सुरक्षा प्रतिष्ठान ने कहा, चीन के साथ आर्थिक संबंध हमेशा की तरह नहीं हो सकते। अब किसी भी चीनी निवेश को अन्य देशों के लिए उपलब्ध स्वचालित मार्ग के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाती है। सभी चीनी आवेदनों को इतनी अस्वीकृति के साथ स्क्रीनिंग प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इससे संदेश स्पष्ट है- आपका यहां स्वागत नहीं है। हमेशा की तरह कोई व्यवसाय नहीं अब कोई व्यवसाय बिल्कुल भी नहीं बन गया है।

दूसरे क्षेत्रों की तरह ऑटो में अपनाएं वही दृष्टिकोण

भारत ने ऑटो क्षेत्र में हर देश के निवेशकों को प्रवेश की अनुमति दी। सभी वैश्विक कंपनियां आईं। हमारी सहायक कंपनियों के साथ बातचीत की। अपने तकनीकी कौशल को बढ़ाया। अनुसंधान एवं विकास केंद्र शुरू किए और अंतत: भारत को छोटी कारों और ऑटो सहायक उपकरणों का विश्व केंद्र बना दिया। हमें ई-व्हीकल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए राजी करें, जिनमें चीनी कंपनियां भी शामिल हैं। चीन प्लस वन की अवधारणा का तात्पर्य कई वैश्विक निवेशकों के चीन से बाहर अन्य विकासशील देशों में विविधीकरण करने के उद्देश्य से है। यह ठीक है, लेकिन चीन खुद अन्य गंतव्यों में विविधता लाना चाहता है। आर्थिक सर्वेक्षण में एक अतिरिक्त तर्कसंगतता है। चीन से एफडीआई पर ध्यान केंद्रित करना अमेरिका को भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अधिक आशाजनक लगता है। जैसा कि अतीत में पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं ने किया था।

व्यापार घाटा कम करने के लिए चीनी निवेश जरूरी

सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत का चीन के साथ बड़ा व्यापार घाटा है। प्रवाह को उलटने का एक तरीका भारत में चीनी निवेश होगा। बाहर जाने वाले डॉलर वापस आएंगे। उम्मीद है कि निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों जैसे एप्पल की मूल्य श्रृंखला में निवेश करके और भी अधिक डॉलर कमाए जाएंगे। सरकार को अपने सुरक्षा यार्ड की सटीक सीमाएं घोषित करनी चाहिए और वहां ऊंची बाड़ लगानी चाहिए। बाकी सब कुछ दुनिया के लिए खुला होना चाहिए, जिसमें चीन भी शामिल है।

इन्हें नहीं मिली निवेश की अनुमति

कुछ साल पहले ऑटो निर्माता ग्रेट वॉल मोटर कंपनी ने भारत में एक अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा था। इसे मंजूरी नहीं मिली। हाल ही में दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार कंपनी बीवायडी ने एक और अरब डॉलर के निवेश का प्रस्ताव रखा। इसमें अत्याधुनिक ब्लेड तकनीक वाला एक मेगा-बैटरी प्लांट शामिल था। लेकिन इसे भी मंजूरी नहीं मिली। बीवायडी की कारों की बिक्री टेस्ला से अधिक है। लक्सशेयर एप्पल वैल्यू चेन जैसी सबसे बड़ी चीनी कंपनियों में से एक है। यह एप्पल की घड़ियां और एयरपॉड्स की तरह उपकरण बनाती है। इसने एप्पल की एक प्रमुख स्थानीय आपूर्तिकर्ता बनने के लिए 750 करोड़ रुपये का निवेश करने का प्रस्ताव दिया था। तमिलनाडु सरकार के मजबूत समर्थन के बावजूद मंजूरी नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया, सच कहूं तो एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला का एक बड़ा हिस्सा चीन से आता है। इसलिए अगर हम उन सभी को मना करते रहेंगे तो हम यहां कभी निर्माण कैसे कर पाएंगे कई वर्षों तक भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने के बाद, लक्सशेयर ने कथित तौर पर अपना निवेश वियतनाम में स्थानांतरित कर दिया है।

क्या इससे भारत की सुरक्षा में सुधार होगा

क्या इससे वास्तव में भारत की सुरक्षा में सुधार होगा या लद्दाख में झड़पें कम होंगी सुरक्षा प्रतिष्ठान या तो इस तथ्य से अनजान हैं या इसे अनदेखा करने के लिए दृढ़ हैं कि चीन अब दुनिया में निवेश योग्य बचत का सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसी ही भूमिका एक बार अमेरिका ने निभाई थी। चीन के पास कुछ बेहतरीन वैश्विक तकनीकें भी हैं जो ई-व्हीकल, बैटरी, सौर पैनल और विंड मिल्स (पवन चक्कियों) में नंबर एक है।

170 के पार जाने वाला है टाटा स्टील का शेयर, 75 प्रतिशत बढ़ गया कंपनी का प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के बीच टाटा ग्रुप के भी कुछ शेयर दबाव में नजर आए। इस दौरान टाटा की कंपनी टाटा स्टील के शेयर भी क्रैश हो गए। करीब 17,300 करोड़ रुपये की आकस्मिक देनदारी की चिंताओं के बीच टाटा स्टील लिमिटेड के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। हालांकि, टाटा स्टील के शेयर पर एक्सपर्ट काफी हद तक पॉजिटिव हैं। टाटा स्टील के शेयर की गुरुवार की क्लोजिंग 163.05 रुपये थी। वहीं, शुक्रवार को यह शेयर 154.60 रुपये के निचले स्तर तक गिर गया। कारोबार के अंत में यह शेयर करीब 3 फीसदी टूटकर 158.20 रुपये बंद हुआ। 18 जून 2024 को यह शेयर 184.60 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। नवंबर 2023 में शेयर 114.25 रुपये के स्तर पर था, जो 52 हफ्ते का लो है।

एक्सिस सिक्योरिटीज ने टाटा स्टील के शेयर पर 175 रुपये का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही एक्सिस सिक्योरिटीज ने कहा- आकस्मिक देनदारियों का मामला तब तक लटका रहेगा जब तक कि भविष्य में केंद्र

सरकार द्वारा एमएमडीआर अधिनियम में संशोधन करके एक सीमा नहीं लगा दी जाती।

जून तिमाही के नतीजे

टाटा स्टील का जून, 2024 को समाप्त तिमाही में नेट प्रॉफिट 75 प्रतिशत बढ़कर 918.57 करोड़ रुपये हो गया। खर्चों में कमी की वजह से कंपनी अधिक मुनाफा दर्ज कर पाई है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने 524 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी की कुल आय घटकर 55,031 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले समान तिमाही में यह 60,666.48 करोड़ रुपये रही थी।

1 पर 1 शेयर फ्री देगी पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड के शेयरहोल्डर्स के लिए अच्छी खबर है। कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यानी हर एक शेयर पर कंपनी के एक शेयर अतिरिक्त दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत चढ़कर 15.92 रुपये पर बंद हुए।

शेयरों के हाल

पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड के शेयर आज 15.92 रुपये है। पिछले पांच दिन में यह शेयर 8 प्रतिशत और एक महीने में 25 प्रतिशत गिर गए थे। सालभर में यह शेयर 50 प्रतिशत तक चढ़ गए। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 35.82 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 10 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 43.90 करोड़ रुपये है।

कंपनी का कारोबार

पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है जो मुख्य रूप से सोलर एनर्जी छत स्थापना करती है। कंपनी पूरे भारत में औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक और फ्लोटिंग सोलर रूफटॉप सिस्टम की स्थापना के लिए एंड-टू-एंड ईपीसी सेवाएं और संपूर्ण

एनर्जी मैनेजमेंट समाधान प्रदान करती है। कंपनी के पूंजी आधार में वृद्धि से विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विभिन्न निविदाओं और बोली प्रस्तावों के लिए अर्हता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। कंपनी केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न रूफटॉप सौर योजनाओं का लाभ उठा रही है और ऐसे लाभ कम लागत और सर्वोत्तम क्वालिटी वाले कंपोनेंट्स के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जा रहे हैं। घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच सत्रों से जारी तेजी का दौर शुक्रवार को थम गया। वैश्विक स्तर पर बिकवाली के दबाव में बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी भारी गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 885.60 अंक यानी 1.08 प्रतिशत फिसलकर 80,981.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 998.64 अंक गिरकर 80,868.91 अंक तक आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 293.20 अंक यानी 1.17 प्रतिशत गिरकर 24,717.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 324.05 अंक फिसलकर 24,686.85 पर आ गया था। इसके साथ ही शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने लगातार नए रिकॉर्ड स्तरों को हासिल किया।

अब बैंक अकाउंट में बना सकेंगे 4 नॉमिनी, सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को बैंकिंग कानून से जुड़े कई अहम संशोधनों को मंजूरी दी है। इनमें सबसे खास है बैंक खातों के लिए 4 नॉमिनी का ऑप्शन। बैंकिंग कानून में बदलाव के बाद बैंक खातों के भी एक से अधिक नॉमिनी हो सकेंगे। इससे अकाउंट होल्डर की मौत के बाद खाते के पैसे जॉइंट अकाउंट होल्डर या वारिस को आसानी से मिल सकेंगे। हक्कल संग समझें कि इस नियम की क्यों पड़ी जरूरत और इससे लोगों को क्या सहूलियत होगी।

मार्च के अंत तक वैसे अकाउंट की संख्या बढ़कर 78 हजार करोड़ हो गई, जिनके लिए कोई क्लेम करने वाला नहीं है। इसका एक

बड़ा कारण यह भी है कि अब तक अकाउंट में एक ही नॉमिनी का ऑप्शन है। ऐसे में यदि किसी दुर्घटना में नॉमिनी की भी मौत हो जाती है तो उसके बाद क्लेम में कई परेशानियां आती हैं। सरकार अनक्लेम्ड अकाउंट की संख्या कम करना चाहती है।

क्या फायदा होगा

एक से अधिक नॉमिनी होने से अनक्लेम्ड अकाउंट की संख्या घटेगी और परिजन को उनके पैसे मिल सकेंगे। मान लीजिए कि पति ने पत्नी को और पत्नी ने पति को नॉमिनी बनाया, लेकिन किसी दुर्घटना में दोनों की मौत हो गई। लेकिन, यदि नॉमिनी नंबर 2, 3, 4... होंगे तो इस तरह के हादसों के बाद भी दावेदार बचे रहेंगे और अकाउंट होल्डर के नॉमिनी को पैसे मिल सकेंगे। इसलिए, हर अकाउंट के नॉमिनी की संख्या 4 करने पर विचार किया जा रहा है।

अभी क्या है नियम

अभी आप जब बैंक अकाउंट खुलवाते हैं तो आपको नॉमिनी तय करने का ऑप्शन होता है। अकाउंट होल्डर की मौत के बाद खाते में जमा पैसे को नॉमिनी को देना होता है। अभी शेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट में एक ही नॉमिनी तय करने का ऑप्शन है।

कहां से आया कई नॉमिनी का आइडिया

इंश्योरेंस और हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली अकाउंट में अभी एक से अधिक नॉमिनी तय करने की सहूलियत है। 4 नॉमिनी का आइडिया सरकार को यहीं से मिला है। बदलाव को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस विधेयक को संसद में पेश करेंगी। पब्लिक प्रॉविडेंट फंड के लिए भी कई नॉमिनी पर विचार हो रहा है, हालांकि पूरी जानकारी संसद में विधेयक पेश होने पर ही मिल सकेगी।

अनक्लेम्ड पैसे का क्या होगा

नए बदलाव के तहत यदि किसी अकाउंट में शेयरों का बोनस (डिविडेंड) या बॉण्ड का पैसा पड़ा है और उसके लिए कोई क्लेम नहीं आया तो उसे इन्वेस्टर एजुकेशन प्रोटेक्शन फंड आइपीएफ में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। फिलहाल, केवल बैंकों के शेयर ही आइपीएफ में ट्रांसफर होते हैं।